

डॉ. रोजर ग्रीन, रिफॉर्मेशन टू द प्रेजेंट, व्याख्यान 1, पाठ्यक्रम परिचय और पाठ्यक्रम

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन अपने चर्च इतिहास पाठ्यक्रम में सुधार से लेकर वर्तमान तक के बारे में बता रहे हैं। यह व्याख्यान 1 है, पाठ्यक्रम परिचय और पाठ्यक्रम।

आपके साथ बहुत विस्तार से ताकि आपको पता चल सके कि आपको इस पाठ्यक्रम के लिए क्या करना है।

क्या अपेक्षित है और सब कुछ। तो, हम उस पाठ्यक्रम को बहुत सावधानी से पढ़ने जा रहे हैं। मुझे पाठ्यक्रम के पहले महीने के बारे में बस इतना ही कहना चाहिए।

आप इसे टेपिंग में देखेंगे। इस गर्मी में मेरी आंख की सर्जरी हुई है, इसलिए मैं अपना चश्मा पाने का इंतजार कर रहा हूँ। मुझे इसके लिए करीब एक महीने तक इंतजार करना होगा।

लेकिन इस बीच, मुझे पढ़ने के लिए इन चश्मे की ज़रूरत है। इसलिए, मुझे डर है कि मुझे कभी-कभी चश्मा पहनना पड़ेगा, जो मुझे तब नहीं करना पड़ेगा जब मैं अपना दूसरा चश्मा खरीद लूँगा। मेरी मोतियाबिंद की सर्जरी हुई थी, और जब उन्होंने उसका इलाज किया, तो इसने बिना चश्मे के पढ़ने की मेरी क्षमता को नष्ट कर दिया।

तो, आप यहाँ हैं। तो, हम पहले महीने या उसके बाद थोड़ा-थोड़ा करके स्विच ऑन और ऑफ करेंगे, लेकिन उसके बाद नहीं, मुझे उम्मीद है। ठीक है, चलो प्रार्थना करते हैं, और फिर हम शुरू करेंगे।

हमारे दयालु स्वर्गीय पिता, हम इस सेमेस्टर की शुरुआत में अपने दिल, ध्यान और अपने दिमाग को आपकी ओर मोड़ना बंद कर देते हैं। हम वास्तव में आभारी हैं कि आपकी कृपा से, आपने हमें छात्र होने का, छात्र होने का आह्वान दिया है। और हम इसके लिए आभारी हैं क्योंकि हम जानते हैं कि बहुत से लोग हमारी जगह पर होना चाहेंगे।

आज बहुत से लोग पढ़ाई करना चाहते हैं, लेकिन किसी न किसी कारण से ऐसा नहीं कर पाते। लेकिन आपकी कृपा से आपने हमें यह काम दिया है। हम प्रार्थना करते हैं कि हम उस काम के प्रति वफादार रहें और इस कोर्स के दौरान एक-दूसरे के साथ छात्र बने रहने के लिए दृढ़ संकल्पित रहें।

हम आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह के व्यक्तित्व में आपके पूर्ण और संपूर्ण प्रकटीकरण के लिए धन्यवाद देते हैं। और हम अपने निजी जीवन में पवित्र आत्मा की सेवकाई के लिए धन्यवाद देते हैं, लेकिन अपने कॉर्पोरेट जीवन में भी, इस तथ्य के लिए कि हम आपके व्यवसाय के बारे में आपके बच्चे हैं, और हम इसके लिए आभारी हैं। इसलिए, आज हमारे पास आभारी होने के लिए बहुत सी चीजें हैं।

हम इस कोर्स के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। हम ईसाई धर्मशास्त्र और ईसाई सिद्धांत के प्रकटीकरण के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, क्योंकि हम इस कोर्स, लोगों, घटनाओं और विचारों को देखते हैं जो इसे आकार देते हैं। हम मानते हैं कि यह आपके चर्च के बारे में एक कोर्स है, यहाँ पृथ्वी पर मसीह के शरीर के बारे में है जो राज्य की गवाही देता है।

और इसलिए, हम प्रार्थना करते हैं कि जैसे-जैसे हम इस कोर्स से गुजरेंगे, हम खुद से पूछते रहेंगे, इस चर्च में हमारा क्या स्थान है? मसीह के इस शरीर में हमारा क्या स्थान है? हम कहाँ फिट बैठते हैं? इसलिए, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे प्रयासों में हमारे साथ रहने में हमारी मदद करें क्योंकि हम इस सेमेस्टर, इस दिन की शुरुआत में इस कोर्स में एक साथ सीखते हैं। और हम इन बातों के लिए हमारे प्रभु मसीह के नाम पर खुशी से प्रार्थना करते हैं। आमीन।

ठीक है। यहाँ नामों को याद रखना मेरे लिए आसान होगा, लेकिन मैं चाहूँगा कि आप इन कार्डों पर मेरे लिए पाँच काम करें। तो, हम बस उन कार्डों को एक दूसरे के पास भेज देंगे।

मुझे लगता है कि यहाँ काफी कुछ है। क्या हमारे पास पर्याप्त है? हमें एक और चाहिए। बस उसे वापस भेज दो।

ओह, आपके पास पर्याप्त है? ओह, बढ़िया। ठीक है। अगर आप मेरे लिए सिर्फ अंतिम नाम, पहला नाम और फिर नए छात्र, दूसरे वर्ष के छात्र, कनिष्ठ और वरिष्ठ छात्र लिख दें, तो यह बहुत बढ़िया होगा।

और फिर आपका गृहनगर। मुझे इस बात में दिलचस्पी है कि आप कहाँ से हैं। और अगर इसके लिए कुछ स्पष्टीकरण की ज़रूरत है, तो कोई बात नहीं।

और आपका मुख्य विषय क्या है। और अगर आप डबल मेजर हैं, तो मुझे इसमें भी दिलचस्पी है कि क्या आपके पास माइनर भी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपने यह कोर्स क्यों किया? इस कोर्स में ऐसा क्या था जिसने आपकी रुचि को आकर्षित किया? क्या यह ईसाई धर्म सुधार से लेकर वर्तमान तक का विषय था? आप हमेशा उस समय का अध्ययन करना चाहते थे।

क्या आपको धर्मशास्त्र का कोई कोर्स करने की ज़रूरत थी? आपको सुबह 9 या 10 बजे पढ़ना अच्छा लगता है। मुझे नहीं पता, लेकिन आपको ऐसा करने के लिए किसने मजबूर किया? इसलिए अगर आप सिर्फ कुछ मिनट निकालकर ऐसा करेंगे, तो यह मेरे लिए वाकई मददगार होगा। हाँ, हम पाठ्यक्रम को बहुत ध्यान से देखेंगे ताकि आपको पता चले कि हम पाठ्यक्रम में क्या कर रहे हैं।

बहुत बढ़िया। धन्यवाद। और आज मेरा यही इरादा है।

और फिर हम शुक्रवार को व्याख्यान देना शुरू करेंगे। इसलिए, मेरा इरादा इस सामग्री को पढ़कर आपकी बुद्धि का अपमान करने का नहीं है। बस जब मैं इसे पढ़ता हूँ, तो यह मुझे उन बातों की याद दिलाता है जो मुझे पाठ्यक्रम के बारे में कहने की ज़रूरत है।

और यह मुझे यहाँ कुछ चीजों पर विस्तार से बताने की याद दिलाता है। तो दाईं ओर सामग्री है। मेरा कार्यालय, एक्सटेंशन नंबर, ईमेल, कार्यालय समय।

लेकिन मुझे ऑफिस के समय के अलावा भी लोगों से मिलना अच्छा लगता है। लेकिन आप ऑफिस के समय में भी मुझसे मिल सकते हैं। कोई बात नहीं।

लेकिन मुझे दोपहर के भोजन के लिए मिलने में खुशी होगी। मुझे आप में से कुछ लोगों से मिलकर खुशी होगी, दोपहर के भोजन के लिए और अलग-अलग समय पर भी। इसलिए, आपको उन कार्यालय समयों में बंधे रहने की आवश्यकता नहीं है।

यह सिर्फ आपकी सुविधा के लिए है। तो ठीक है, ईसाई धर्म सुधार से लेकर वर्तमान तक। यह पाठ्यक्रम छात्रों को ऐतिहासिक ईसाई समुदाय की बुनियादी मान्यताओं की प्रकृति और विकास के बारे में जानकारी देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस प्रकाश में, ऐतिहासिक रूढ़िवादी आस्था की केंद्रीय धार्मिक पुष्टि और उन पुष्टि से विचलन को समझने का प्रयास किया जाएगा। ईसाई धर्म के भीतर विभिन्न शाखाओं और चर्च संबंधी परंपराओं के बीच आम सहमति और सहमति के क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, साथ ही उन विभिन्न मुद्दों पर भी ध्यान दिया जाएगा जिन पर चर्च विभाजित है। हम उन मुद्दों को अनदेखा नहीं करने जा रहे हैं जिन पर चर्च में विभाजन पाया गया है और ऐसा लगता है कि वह अपने काम को एक साथ नहीं कर पा रहा है।

यह पाठ्यक्रम इतिहास और धर्मशास्त्र के बीच महत्वपूर्ण अंतर्संबंधों पर और विशेष रूप से चर्च के भीतर और बाहर ऐतिहासिक घटनाओं और ईसाई सिद्धांत के निर्माण के बीच संबंधों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करेगा। मैथ्यू 16:15 से शुरू करते हुए, यीशु ने अपने शिष्यों से बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पूछा: तुम मुझे कौन कहते हो? और आज के दिन तक, हठधर्मिता और सिद्धांत ईसाई धर्म के लिए केंद्रीय रहे हैं। उस प्रश्न के उत्तर में पीटर द्वारा पहली ईसाई घोषणा या स्वीकारोक्ति, आप मसीह हैं, जीवित परमेश्वर के पुत्र, ने सुसमाचार की शुरुआत में सिद्धांत की आवश्यकता को प्रदर्शित किया।

यह आवश्यकता चर्च के पूरे जीवन में जारी रही है। इस पाठ्यक्रम का प्रतिरूप, जो 305 है, ईसाई विचार का विकास, विशेष रूप से उन पंथों और सिद्धांतों की जांच करता है जो चर्च की पहली सात विश्वव्यापी परिषदों के दौरान उत्पन्न हुए थे। यह पाठ्यक्रम, कुछ पंथों की जांच करते हुए, इस बात पर जोर देता है कि 16वीं शताब्दी के बाद से सिद्धांत कैसे विकसित हुए हैं, जो कि प्रारंभिक चर्च की तुलना में बहुत अधिक भिन्न चर्च परंपरा है।

इस पाठ्यक्रम के कार्य का एक हिस्सा पवित्र और धर्मनिरपेक्ष इतिहास दोनों के संदर्भ में ईसाई धर्मशास्त्र की प्रकृति, कार्य और निर्माण की जांच करना है। यह मुख्य रूप से प्रोटेस्टेंट परंपरा को देखकर किया जाएगा। जैसा कि हमारी पाठ्यपुस्तक के लेखकों ने कहा है, प्रोटेस्टेंट धर्मशास्त्रीय विकास का पैटर्न नई जरूरतों और स्थितियों के जवाब में ईसाई धर्म की बार-बार पुनर्व्याख्या, मौलिक निरंतरता के बीच प्रतिक्रिया या पुनरुत्थान का रहा है।

इस कोर्स में रोमन कैथोलिक विचारधारा के भीतर धार्मिक विकास का भी अध्ययन किया जाएगा, और पूर्वी रूढ़िवादी परंपरा पर भी कुछ ध्यान दिया जाएगा। मुझे बस एक मिनट के लिए यहीं रुकना है। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, यह सिद्धांत के निर्माण की प्रोटेस्टेंट समझ वाला कोर्स है।

कुछ लोग सोचते हैं कि आप सिर्फ पुराने नियम और नए नियम को पढ़ सकते हैं और फिर धर्मशास्त्र के बारे में बात करने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन असल में, धर्मशास्त्र बाइबल के पाठ में ही समाहित था। मैं जो उदाहरण देता हूँ, वह मैथ्यू का पाठ है जहाँ यीशु ने कहा, लोग कहते हैं कि मैं कौन हूँ? एक तरह से, यह एक धर्मशास्त्रीय प्रश्न है।

पतरस का जवाब एक धार्मिक कथन था। एक तरह से, यह एक धार्मिक कथन था। आप मसीह हैं, जीवित परमेश्वर के पुत्र।

उसके बाद यह पूछना स्वाभाविक है कि जब उसने ऐसा कहा तो इसका क्या मतलब है? आप मसीह हैं, जीवित परमेश्वर के पुत्र हैं। यही वह बात है जिसे यह पाठ्यक्रम बाइबल के पाठ से विकसित करने का प्रयास करने जा रहा है। हम यह समझने का प्रयास करने जा रहे हैं कि धर्मशास्त्र और सिद्धांत किस तरह से विकसित, आकार लेते और तैयार होते हैं।

मैंने शुरू में ही बताया था कि हम इसे मुख्य रूप से प्रोटेस्टेंट चश्मे से देखेंगे। धर्मशास्त्र के प्रति प्रोटेस्टेंट दृष्टिकोण एक ऐसा दृष्टिकोण है जो दर्शाता है... नमस्ते, जेसी। क्या आप जेसी हैं? आपका दिल धन्य है, जेसी।

आओ और हमसे जुड़ो। हम तुम्हारे जाने से पहले एक कार्ड भरवा देंगे। ओह, और तुम्हें एक पाठ्यक्रम की भी ज़रूरत है।

हाँ, आप वहाँ जाइए। हम बस उस पाठ्यक्रम पर जा रहे हैं ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें कि हम यहाँ क्या कर रहे हैं, जेसी। धर्मशास्त्र के प्रति प्रोटेस्टेंट दृष्टिकोण यह है कि धर्मशास्त्र को हर पीढ़ी में लगातार व्याख्या करने की आवश्यकता है।

धर्मशास्त्र कोई स्थिर चीज़ नहीं है। यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे आप किसी बक्से में बंद करके रखते हैं। इसे हर पीढ़ी के लिए फिर से समझने की ज़रूरत है।

इसे हर पीढ़ी के लिए फिर से व्याख्यायित करने की आवश्यकता है। तो यह प्रोटेस्टेंट तरीका है, और यही हम इस पाठ्यक्रम में करेंगे, और देखेंगे कि 16वीं शताब्दी से 21वीं शताब्दी तक यह कैसे हुआ। अब, यदि आप उस अंतिम पैराग्राफ को देखें, तो महत्वपूर्ण लोगों, महत्वपूर्ण विचारों और महत्वपूर्ण घटनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिन्होंने सुधार से लेकर वर्तमान तक ईसाई रूढ़िवाद को आकार दिया है।

इन क्षेत्रों पर ध्यान देते हुए, पाठ्यक्रम को छात्रों को ईसाई विचारों के विकास पर प्रकाश डालने वाले महत्वपूर्ण विषयों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि और संसाधन प्रदान करने के

लिए डिज़ाइन किया गया है। यहाँ तीन शब्द हैं जिन्हें मैं इंगित करना चाहता हूँ: महत्वपूर्ण लोग, महत्वपूर्ण विचार और महत्वपूर्ण घटनाएँ।

इस कोर्स का उद्देश्य यही है। आपको सही विचारों वाले सही लोग मिलते हैं, और आपके पास सही घटनाएँ होती हैं, और चर्च के इतिहास में कुछ घटित होता है। कभी-कभी यह समझ से परे होता है।

लेकिन उदाहरण के लिए, आपको मार्टिन लूथर के विचार और घटनाएँ मिलेंगी जो उनके जीवन के इर्द-गिर्द घूमती हैं, और आपको लूथर के नेतृत्व में सुधार की तरह विस्फोट देखने को मिलेगा, जिसकी शुरुआत लूथर से हुई। तो, आइए व्याख्यानों, अपने पठन और अन्य बातों में इस पर नज़र रखें। महत्वपूर्ण विचार, महत्वपूर्ण घटनाएँ, महत्वपूर्ण लोग।

हमने बताया कि इस कोर्स का समकक्ष ईसाई विचार का विकास कोर्स है। हम इस कोर्स की शुरुआत न्यू टेस्टामेंट चर्च से करते हैं। हम रिफॉर्मेशन के साथ खत्म करते हैं।

उस पाठ्यक्रम में, मार्टिन लूथर के जीवन और धर्मशास्त्र के माध्यम से सुधार का अध्ययन किया जाता है। यह पाठ्यक्रम सुधार से शुरू होता है, और इस पाठ्यक्रम में, जॉन कैल्विन के जीवन और धर्मशास्त्र के माध्यम से सुधार का अध्ययन किया जाता है। चूँकि सुधार ईसाई विचार के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए दोनों पाठ्यक्रमों में सुधार का अध्ययन करना आवश्यक है।

जो छात्र दोनों कोर्स करते हैं, उन्हें मार्टिन लूथर और जॉन कैल्विन दोनों का अध्ययन करने का अवसर मिलता है। इसलिए, मैं ऐसा सिर्फ इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि पहले हमारी संख्या थोड़ी कम थी। हममें से सिर्फ आठ लोग ही इस कोर्स के लिए पंजीकृत हैं, और आपमें से भी सिर्फ आठ लोग ही पंजीकृत हैं।

और यह संख्या निश्चित रूप से अतीत की तुलना में कम है जब हमारे पास पाठ्यक्रम के लिए संभवतः 25, 30 छात्र थे। यह असामान्य नहीं था कि मेरे पास पाठ्यक्रम में ऐसे छात्र थे जिन्होंने 305 पाठ्यक्रम लिया था और समय बिताने के लिए 306 पाठ्यक्रम लेना चाहते थे। इसलिए मैंने उस पाठ्यक्रम में यह प्रक्रिया विकसित की: मैं मार्टिन लूथर करता हूँ, और इस पाठ्यक्रम में, मैं जॉन कैल्विन करता हूँ।

मैंने ऐसा इसी कारण से किया। इसलिए, जब हम लूथर के बारे में बात करेंगे, लूथर पर व्याख्यान देंगे, तो सुधार की बात आने पर हमारा मुख्य जोर कैल्विन पर होगा। ठीक है, प्रत्येक सप्ताह कक्षा तीन व्याख्यान, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार।

व्याख्यान के दौरान कक्षा में चर्चा को निश्चित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। प्रत्येक परीक्षा से पहले कुछ समय अलग रखा जाएगा ताकि पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन के परिणामस्वरूप आपके पास जो प्रश्न होंगे उन पर चर्चा की जा सके। और हम बस कुछ ही मिनटों में इस बारे में बात करेंगे।

चार पाठ्य पुस्तकें आवश्यक हैं। सबसे पहले, डोनाल्ड डेटन की पुस्तक डिस्कवरींग एन इवेंजेलिकल हेरिटेज। यह पाठ आपके द्वारा पढ़ी गई आखिरी पुस्तक के बारे में है।

मैंने इन्हें यहाँ केवल वर्णमाला क्रम में रखा है, लेकिन अमेरिकी धार्मिक इतिहास के विद्वान डोनाल्ड डेटन पाठकों को 19वीं शताब्दी में इंजीलवाद की विरासत की याद दिलाते हैं, खासकर उस समय इंजीलवाद की सामाजिक सेवकाई की। इंजीलवादियों के लिए अपनी धार्मिक सामाजिक विरासत को याद रखना और उस स्मृति को आज के चर्च के जीवन में लागू करना एक चुनौती है। जब हम कट्टरवाद और इंजीलवाद का अध्ययन करेंगे तो यही होगा।

तो, डिलनबर्गर पाठ और वेल्च पाठ दो उत्कृष्ट विद्वान हैं। अभी भी ऐसा पाठ खोजना मुश्किल है जो इसे हरा सके। यदि आप महत्वपूर्ण लोगों, महत्वपूर्ण विचारों और महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानना चाहते हैं, तो यह अभी भी उसके लिए एक बेहतरीन पाठ है।

यह हमारा प्राथमिक पाठ है। यहाँ आपको 16वीं शताब्दी से लेकर वर्तमान तक के मामले का सार मिलेगा। इस पाठ का उपशीर्षक मार्क नोल का टर्निंग पॉइंट्स, पाठ के उद्देश्य और ईसाई धर्म के इतिहास में निर्णायक क्षणों का सटीक वर्णन करता है।

क्या आप में से किसी ने संयोग से यह पाठ पढ़ा है? यह एक बहुत ही लोकप्रिय पाठ है, लेकिन मुझे आश्चर्य है। मार्क नोल, जो आज अकादमिक दुनिया के सबसे चतुर इतिहासकारों में से एक हैं, एक इंजील ईसाई, ने चर्च के जीवन के कुछ सबसे महत्वपूर्ण क्षणों का वर्णन किया है। पूरा पाठ निश्चित रूप से आपके ध्यान के लायक है।

हमारी बुनियादी रीडिंग किताब के दूसरे हिस्से से आती है, और मार्क नोल इस सेमेस्टर में कैंपस में लेक्चर देंगे। तो, हम मार्क नोल को सुनेंगे। तो हाँ।

ठीक है। ठीक है। सही है।

मुझे लगता है कि हमें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर आपको इसे लाने में कोई आपत्ति नहीं है, तो हम इसे लाने के लिए समय तय करेंगे, या मेरे कार्यालय में आएँगे ताकि मैं अपने पास मौजूद संस्करण को देख सकूँ। और मैं सुनिश्चित करने के लिए आपके संस्करण को भी देखूँगा।

लेकिन मुझे लगता है कि आपको ठीक होना चाहिए। हाँ। और फिर यहाँ रैंडल ज़ैकमैन की एक किताब है जिससे आप परिचित नहीं हो सकते हैं।

यह एक बिल्कुल नई किताब है, जॉन कैल्विन की टीचर, पास्टर, थियोलोजियन। यह किताब कैल्विन का एक बेहतरीन अध्ययन है। यह अकेली किताब नहीं है।

जाहिर है, जॉन कैल्विन की ढेरों आत्मकथाएँ और जॉन कैल्विन पर ढेरों लेख हैं। लेकिन मैंने जो किया है, वह आपके लिए इसे पढ़ना आसान बनाता है। अगर आप पाठ्यक्रम के अंत में देखें, तो क्या यह पहला परिशिष्ट है? मुझे लगता है कि यह पहला परिशिष्ट है।

नहीं। यह पृष्ठ 11 पर परिशिष्ट संख्या दो है। इसलिए, यदि आप एक मिनट के लिए पृष्ठ 11 पर जाएं, तो मैंने वहां आपको इस पाठ के लिए एक अध्ययन पत्र दिया है, ताकि आपको यह समझने में आसानी हो कि आपको क्या देखने की आवश्यकता है, इत्यादि।

तो, उनके संस्थानों के विकास पर ध्यान दें। हम व्याख्यान देते समय इस बारे में भी बात करेंगे। पुस्तक में विभिन्न धार्मिक शब्दों पर ध्यान दें।

जॉन कैल्विन के जीवन में महत्वपूर्ण स्थानों पर ध्यान दें, खासकर जिनेवा और स्ट्रासबर्ग। हम व्याख्यान देते समय अन्य स्थानों के बारे में बात करेंगे। अब, सवाल यह है कि, चूंकि पुस्तक में बहुत सारे नामों का उल्लेख है, तो लोगों के बारे में क्या? वे लोग कौन हैं जिन्हें मुझे इस पाठ से वास्तव में जानना चाहिए? ये वे लोग हैं जिन्हें आपको जानना चाहिए।

तो, अगर यह आपकी मदद करेगा, तो यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे आप सौंप दें। यह सिर्फ आपके अपने अध्ययन के लिए है। तो, जब आप उस पाठ को पढ़ रहे हों, तो क्या यह आपके लिए मददगार होगा कि आप इसे अपने पास रखें और पाठ पढ़ते रहें? यह सब अच्छा है।

इसलिए मैं आपको यह सब बताता हूँ। तो ये पाठ्यक्रम के चार पाठ हैं, और हम इन्हीं पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। ठीक है।

पेज तीन पर, आइए कोर्स की आवश्यकताओं के बारे में बात करते हैं। हमें परीक्षाएँ पसंद हैं। हाँ।

हाँ। हाँ। डेटन पाठ विशेष रूप से अंत के निकट होगा।

कैल्विन पाठ और अन्य तीन के लिए, हम आपको हर सप्ताह का चयन पढ़ने के लिए कहते हैं, लेकिन डेटन पाठ पाठ्यक्रम के अंत तक नहीं है। हाँ। ज़रूर।

हमें परीक्षाएँ बहुत पसंद हैं। हमें उन्हें परीक्षाएँ नहीं कहना चाहिए। हमें उन्हें अवसर कहना चाहिए, है न? इसलिए हम उन्हें कहते हैं, यहाँ कुछ अवसर हैं जो आपको मिलने वाले हैं।

सोमवार, 30 सितम्बर को प्रथम घंटे की परीक्षा होगी। सोमवार, 28 अक्टूबर को द्वितीय घंटे की परीक्षा होगी। मंगलवार, 18 दिसम्बर को अंतिम परीक्षा होगी।

हम कुछ चर्चा समूहों और भागीदारी के बारे में बात करेंगे। लेकिन ठीक है, यहाँ परीक्षाओं के बारे में तीन बातें हैं जो आपको जाननी चाहिए। आपको इन परीक्षाओं को अत्यंत आपातकालीन स्थितियों को छोड़कर नहीं छोड़ना चाहिए।

इसलिए, यदि आप पहले या दूसरे घंटे की परीक्षा में चूक जाते हैं, तो आपको एक मेकअप परीक्षा देनी होगी। और मैं पढ़ने के दिन की सुबह तक मेकअप परीक्षा नहीं देता। इसलिए आप इन परीक्षाओं को छोड़ना नहीं चाहेंगे, इसलिए नहीं कि आपको ये पसंद हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि आप पढ़ने के दिन मेकअप परीक्षा नहीं देना चाहते।

अब, यह अति है। बेशक, अगर आपके पास कोई बहुत बड़ी आपात स्थिति है, तो यह गिनती में नहीं आएगा। और मैं यहाँ मदद करने के लिए हूँ।

कॉलेज की नीति के अनुसार कोई भी प्रोफेसर किसी भी कारण से छात्र को रजिस्ट्रार द्वारा निर्धारित समय के अलावा किसी भी समय अंतिम परीक्षा देने की अनुमति नहीं दे सकता है। इसलिए कृपया मुझसे अनुमति न मांगें। मेरे पास उस अंतिम परीक्षा को पुनर्निर्धारित करने का अधिकार नहीं है।

इसलिए, मुझे इसे पुनर्निर्धारित करने का कोई अधिकार नहीं है। इसलिए, आपको इसे तब ही लेना होगा जब यह दिया गया हो। यदि आपके पास एक दिन के लिए तीन अंतिम परीक्षाएँ निर्धारित हैं, तो आप अंतिम परीक्षा सप्ताह के दौरान किसी अन्य समय पर उनमें से एक परीक्षा देने के लिए याचिका दायर कर सकते हैं।

हालाँकि, प्रशिक्षक इन परिस्थितियों में अंतिम परीक्षा को दूसरी बार देने की अनुमति तभी देगा जब छात्र शुक्रवार, 6 सितंबर तक इसके लिए अनुरोध करेगा। इसलिए, मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि सभी संकाय सदस्य इस नीति में विश्वास नहीं करते हैं। मुझे लगता है कि अगर आपके पास एक दिन में तीन परीक्षाएँ हैं, तो आपको उन्हें ले लेना चाहिए।

यही तो जीवन है। लेकिन यह कॉलेज की नीति है, और अगर मैं 6 सितंबर तक आपसे सुनूँ तो मुझे इसका पालन करने में कोई आपत्ति नहीं है। इसलिए, आपको उस समय तक पता चल जाएगा कि आपकी सभी कक्षाओं में आपकी अंतिम परीक्षा का कार्यक्रम क्या है।

यदि आपके पास तीन अंतिम परीक्षाएँ निर्धारित हैं, तो आप उनमें से किसी एक से छूट प्राप्त कर सकते हैं। पढ़ने के असाइनमेंट को पाठ्यपुस्तक असाइनमेंट में विभाजित किया जाता है; हम प्रत्येक सप्ताह के लिए कुछ मिनटों में इसे देखेंगे। प्रत्येक छात्र से अपेक्षित है कि वह निर्धारित सामग्री को पढ़े।

अब, यहाँ कुछ ऐसा है जिस पर आपको ध्यान देना चाहिए। जहाँ पढ़ने के पाठ में बाइबिल के अंशों का उल्लेख किया गया है, वहाँ छात्रों से बाइबिल के पाठों के साथ-साथ उन पाठों के तात्कालिक संदर्भ को पढ़ने और समझने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए, यदि आप पढ़ रहे हैं और यह इफिसियों 1 के बारे में बात कर रहा है, तो आपको इफिसियों 1 पर एक नज़र डालने की ज़रूरत है और देखना चाहिए कि वहाँ क्या है।

और साथ ही, संदर्भ क्या है? इफिसियों 1 में किस बारे में बात की जा रही है? इसलिए, आपको अपना पाठ पढ़ते समय अपनी बाइबल हाथ में रखनी होगी। तो यह महत्वपूर्ण होने जा रहा है। और, ज़ाहिर है, आपको अन्य पुस्तकें और लेख पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो आपको पाठ्यक्रम को समझने में सहायता करेंगे।

प्रश्न रीडिंग के साथ-साथ कक्षा व्याख्यानों से भी लिए जाएँगे। पाठ्यक्रम का मुख्य भार परीक्षा पर है, इसलिए आपको पढ़ने की सामग्री में महारत हासिल करने की आवश्यकता है। अब, यहाँ

कुछ ऐसा है जिसके बारे में बात करने में मुझे थोड़ा समय लगता है क्योंकि छात्र शायद इसे ठीक से नहीं समझ पाते हैं।

तो, टर्म पेपर्स। तो, टर्म पेपर्स पर डील यहाँ है। जो लोग अतिरिक्त क्रेडिट चाहते हैं उनके लिए टर्म पेपर जमा करना वैकल्पिक है, लेकिन इस कोर्स में A या A- ग्रेड के लिए यह एक आवश्यकता है।

इस कोर्स में बिना पेपर के छात्र को मिलने वाला उच्चतम ग्रेड B+ है। पेपर का लेखन ब्लैकबोर्ड पर पोस्ट किए गए शोध पत्र लिखने के दिशा-निर्देशों द्वारा नियंत्रित होना चाहिए। साथ ही, मैंने जो किया वह यह था कि मैं नहीं चाहता कि आप इसे अभी देखें क्योंकि हम पाठ्यक्रम को देखना चाहते हैं, लेकिन यहाँ हार्ड कॉपी में वे दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

मैं यहीं से शुरू करता हूँ, ग्रांट अगर आप इसे इस तरह से पास कर देंगे। ये हार्ड कॉपी में दिशा-निर्देश हैं, और ये वो दिशा-निर्देश हैं जिनका मैं अपने सभी पाठ्यक्रमों में उपयोग करता हूँ। अगर आप इन्हें पास कर देंगे तो वहाँ चार हैं।

ये वे दिशा-निर्देश हैं जिनका मैं अपने सभी पाठ्यक्रमों में अपने सभी लेखन कार्यों के लिए उपयोग करता हूँ। इसलिए, यदि आप कोई पेपर लिखने की सोच रहे हैं तो आपको इन दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। इसलिए, यदि आप इसे अपने पास रखते हैं, और साथ ही हम इन्हें ब्लैकबोर्ड पर भी उपलब्ध कराएँगे।

इसलिए, प्रशिक्षक इसका उपयोग करना जारी रखेंगे। तो, यहाँ ग्रेडिंग प्रणाली है। पेपर को बेहतर के रूप में ग्रेड किया जा सकता है।

आपके अंतिम ग्रेड औसत में दस अंक जोड़े जाते हैं। तो यह आपका अंतिम ग्रेड औसत है। यह अच्छी बात है।

आपके अंतिम ग्रेड औसत में 10 अंक जोड़े जाएंगे। यह अच्छी बात है। तो, मान लीजिए कि आपका अंतिम ग्रेड औसत 82 था।

आप 10 अंक 92 पर हैं। एक बेहतर पेपर आम तौर पर एक छात्र को एक ग्रेड से अगले उच्च ग्रेड में आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त होगा। यह समझा जाता है कि बेहतर पेपर नियम के बजाय अपवाद होगा क्योंकि यह विचार और अभिव्यक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक उच्च स्तर प्रदर्शित करेगा।

कभी-कभी, किसी छात्र को एक माइनस अंक मिलेगा, और आपको आठ अंक मिलेंगे। तब, पेपर को स्वीकार्य पेपर माना जा सकता है। छात्र के अंतिम ग्रेड औसत में चार अंक जोड़े जाएंगे।

इसलिए, स्वीकार्य पेपर आम तौर पर दो ग्रेड के बीच की सीमा रेखा पर बैठे छात्र को अगली उच्च ग्रेड श्रेणी में धकेलने के लिए पर्याप्त होगा। कभी-कभी, मैं दो प्लस देता हूँ जिसमें छह अंक जोड़े

जाते हैं या दो माइनस देता हूँ जिसमें दो अंक जोड़े जाते हैं। अब, यदि आप एक ऐसा पेपर सौंपते हैं जो अस्वीकार्य है, तो आपको पेपर पर तीन अंक मिलते हैं।

यह स्वीकार्य नहीं है। आपके अंतिम ग्रेड औसत में कोई अंक नहीं जोड़े जाते। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एक अस्वीकार्य पेपर किसी छात्र के अंतिम ग्रेड औसत में मदद नहीं कर सकता है।

हालाँकि, अस्वीकार्य पेपर लिखने वाले छात्र को कोर्स के लिए बी प्लस से अधिक अंक नहीं मिल सकते। इसी तरह, अस्वीकार्य पेपर से छात्र के अंतिम ग्रेड औसत में कमी नहीं आएगी, और पेपर वैकल्पिक थे, कोर्स के लिए अनिवार्य नहीं थे। इसलिए, यदि पेपर अस्वीकार्य है, तो ऐसा लगता है कि आपने कोई पेपर नहीं लिखा है।

तो, यह ऐसा है जैसे आपने कोई पेपर नहीं लिखा, इसलिए आपको कोर्स में बी प्लस से ऊपर ग्रेड नहीं मिल सकता। लेकिन इससे आपको कोई नुकसान नहीं होगा। अगर यह अस्वीकार्य है, तो यह आपके ग्रेड को कम नहीं करेगा।

इसलिए, मैं आपको एक पेपर लिखने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। मुझे सच में लगता है, आप जानते हैं, यह आपके लिए अच्छा है। आप सभी ऐसा कर सकते हैं।

आपके पास लगभग 12 सप्ताह हैं। इसलिए, मुझे वाकई लगता है कि आपको ऐसा करना चाहिए। पेपर कम से कम 10 पेज का होना चाहिए, कवर पेज के अंतिम नोट्स, ग्रंथ सूची, डबल स्पेस, 10 फ्रॉन्ट, पेपर के लेखन में इस्तेमाल की गई कम से कम आठ किताबें और या लेख और पेपर के अंत में पर्याप्त अंतिम नोट साक्ष्य शामिल नहीं होने चाहिए।

पेपर लिखने में ये स्रोत बहुत ज़रूरी थे। प्रशिक्षक फॉर्म और कंटेंट के आधार पर पेपर को ग्रेड देता था। यह इस तथ्य पर आधारित है कि जिस तरह से कोई व्यक्ति खुद को अभिव्यक्त करता है, वह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि वह क्या कहता है।

मैं टेम्पल यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी का छात्र था। इसलिए, एक बार जब आप अंग्रेजी के छात्र बन जाते हैं, तो आप हमेशा अंग्रेजी के छात्र ही रहते हैं। इसलिए, शोध-पत्र के लिए शोध-कार्य को समकालीन ईसाई अनुभव के संबंध में विषय के मूल्य के बारे में छात्र की अपनी सोच के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए।

पेपर के पहले पन्ने पर छात्र का नाम नहीं बल्कि उसका नंबर लिखा होना चाहिए। क्योंकि अगर आप मेरे पास आकर पेपर के बारे में बात नहीं करते हैं, तो अब बहुत से लोग आकर बात करते हैं। वे मुझसे पेपर के बारे में बात करना चाहते हैं।

वे चाहते हैं कि मैं डाफ्ट पढ़ूँ, जिसे पढ़कर मुझे खुशी होती है। तो स्वाभाविक रूप से, मैं यह जान जाऊंगा कि पेपर किसने लिखा है। लेकिन अगर आप अपना पेपर जमा करते हैं और आपने इसके बारे में मुझसे बात नहीं की है, तो उस पेपर पर केवल आपकी स्टूडेंट आईडी नंबर ही लिखा होगा।

ताकि जब मैं इसे ग्रेड करूँ, तो मुझे पता न चले कि मैं किसके पेपर को ग्रेड कर रहा हूँ। मैं पेपर को ग्रेड करते समय वास्तव में वस्तुनिष्ठ हो सकता हूँ। इसलिए, हम पाठ्यक्रम के दौरान इस बारे में बहुत बात करेंगे, इसलिए आपको अभी यह सब समझने की ज़रूरत नहीं है।

पेपर बुधवार, 4 दिसंबर को कक्षा के समय जमा करना है। और आम तौर पर, मैं देर से जमा किए गए पेपर स्वीकार नहीं करता। अगर पेपर देर से जमा होता है, तो हर दिन के लिए एक पूरा ग्रेड काटा जाता है।

ठीक है, ये आपके विषय हैं: मार्टिन लूथर और संस्कार, 19वीं सदी में रोमन कैथोलिक धर्मशास्त्र में विकास, कार्ल बार्थ का चुनाव का सिद्धांत, और सुधार के बाद से चर्च में महिलाओं का नेतृत्व। तो, मार्टिन लूथर और संस्कार। देखिए, हम पाठ्यक्रम में लूथर के बारे में बहुत ज़्यादा बात नहीं कर रहे हैं।

इससे आपको लूथर से कुछ सोच विकसित करने का मौका मिलेगा। रोमन कैथोलिक धर्मशास्त्र, 19वीं सदी, कार्ल बार्थ, 20वीं सदी, बहुत महत्वपूर्ण। या सुधार के बाद से चर्च में नेतृत्व में महिलाएँ।

आम तौर पर, जब छात्र ऐसा करते हैं, तो वे चर्च के इतिहास में शायद दो या तीन महिलाओं को चुनते हैं जो बहुत महत्वपूर्ण रही हैं। और वे जो करते हैं वह तुलना और विरोधाभास है। और मैं इसमें आपकी मदद कर सकता हूँ।

अब, ध्यान दें कि मैं क्या कहता हूँ: यदि छात्र चाहते हैं कि प्रशिक्षक वैकल्पिक पेपर के पहले ड्राफ्ट को पढ़ें, तो इन ड्राफ्ट को इन पेपर की नियत तिथि से दो सप्ताह पहले प्रशिक्षक को दिया जाना चाहिए। मुझे हमेशा पहले ड्राफ्ट पढ़ने में खुशी होती है। और अगर आप मुझे पहला ड्राफ्ट सौंपते हैं तो मैं आपकी बहुत मदद कर सकता हूँ।

समस्या यह थी कि कुछ साल पहले, मैंने छात्रों से पेपर की अंतिम तिथि से एक रात पहले पहला ड्राफ्ट मुझे सौंपना शुरू किया। यह अच्छी बात नहीं है। मैं इतनी देर तक उनकी मदद नहीं कर सकता था।

तो, अब मैं यही कहूँगा कि पेपर जमा करने की तिथि से दो सप्ताह पहले, आप मुझे अपना पेपर सौंप दें। मैं आपका ड्राफ्ट पढ़ूँगा। और मैं उस पेपर में आपकी बहुत मदद करूँगा।

तो, मैं आपको ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा। लेकिन देखते हैं हम ऐसा कैसे करते हैं। मैं बस एक मिनट के लिए यहीं रुकता हूँ।

क्या यह सभी के लिए समझ में आता है? यह वैकल्पिक है। ऐसा करना ज़रूरी नहीं है। अगर आप ऐसा नहीं करते और तीनों परीक्षाओं में 100 अंक लाते हैं, तो भी आपको कोर्स के लिए बी प्लस मिलेगा।

तो, हाँ। ये विषय पाठ्यक्रम में हैं। हम पाठ्यक्रम में उन्हें कुछ हद तक कवर करेंगे।

इससे आपको और गहराई से जानने का मौका मिलता है। उदाहरण के लिए, सी के अंतर्गत पाठ्यक्रम में हम कार्ल बार्थ के बारे में बात करते हैं। हम कार्ल बार्थ के साथ उनके जीवन और उनके मंत्रालय के बारे में बात करते हैं।

लेकिन साथ ही, हम पाँच धार्मिक क्षेत्रों को भी लेते हैं जो उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण थे। यह आपको उनके धर्मशास्त्र को और गहराई से समझने का मौका देगा। तो हाँ।

तो हम इन पर चर्चा करते हैं, लेकिन उस तरह नहीं जिस तरह आप कागज़ पर करते हैं। हाँ। तो, हम कागज़ों के बारे में यह समझते हैं।

मैं आपको एक पेपर लिखने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। अगर आप आज से शुरू करते हैं, तो यह हर हफ़्ते एक पेज होगा। आप ऐसा कर सकते हैं।

सप्ताह में एक पेज। यह दस पेज लंबा है, सप्ताह में एक पेज। यह संभव है।

तो, आज ही शुरू करें, और आपका काम हो गया। वैसे, यह है, इसका किसी भी चीज़ से कोई लेना-देना नहीं है, जो अक्सर मेरे जीवन में या पाठ्यक्रम में होता है। यहाँ एक छात्र है जो नाम नहीं बताएगा क्योंकि वह नहीं चाहता कि मैं उसका नाम बताऊँ।

लेकिन यहाँ एक छात्र है जो बहुत अनुशासित है। वह जो करता है वह यह है कि वह अपने सभी पाठ्यक्रम और सब कुछ प्राप्त करता है और अपने द्वारा लिखे जाने वाले सभी पेपर देखता है। वह अपने सभी पेपर कोर्स के पहले तीन सप्ताहों में, सेमेस्टर के कोर्स में लिखता है।

वह बस यह तय करता है कि वह सेमेस्टर के अंत में पेपर लिखने के दबाव में नहीं रहना चाहता। वह पहले से ही कड़ी मेहनत करना चाहता है और उन्हें लिखना चाहता है, और फिर वे मूल रूप से समाप्त हो जाते हैं। यह एक अच्छा विचार है।

क्या आप इस विचार से खुश हैं? लेकिन मैंने सोचा कि मैं इसे आपके साथ साझा करूँ। ठीक है। चर्चा समूह।

ठीक है। कुछ शुक्रवारों को प्रशिक्षक छात्रों से मिलकर पाठ्यक्रम के लिए पठन सामग्री पर चर्चा करेंगे। कक्षा में पठन या व्याख्यान के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले प्रासंगिक प्रश्नों और धार्मिक समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इन चर्चा समूहों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है। इससे छात्रों को पाठ्यक्रम में ग्रेड प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। प्रत्येक चर्चा समूह से पहले, छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से प्रश्न और अवलोकन कक्षा में लाने के लिए चुना जाएगा।

चर्चा समूहों में भागीदारी के लिए ग्रेड अंतिम ग्रेड का 10% है। छात्र प्रत्येक शुक्रवार चर्चा समूह से पहले बुधवार को प्रशिक्षक को पाठ्यपुस्तकों से दो या तीन प्रश्नों और टिप्पणियों की हार्ड कॉपी सौंपेंगे। यदि किसी छात्र को चर्चा समूह में शामिल नहीं होना पड़ता है, तो उसे अगली कक्षा अवधि में प्रशिक्षक को प्रश्न देने होंगे।

ठीक है। अब मैं यह बताना चाहता हूँ कि मुझे छात्रों को चुनने की ज़रूरत नहीं है। जब हमारी कक्षा में 25 या 30 छात्र थे, तो मुझे चुनाव करना पड़ता था, लेकिन जब हम सिर्फ़ आठ छात्र थे, तो मुझे चुनाव करने की ज़रूरत नहीं थी।

तो क्या होगा कि प्रत्येक परीक्षा से पहले, हमारे पास दो चर्चा समूह होंगे और दो शुक्रवार को दो चर्चा समय होंगे। हम उन्हें लायन डेन में रखते हैं। तो, आप नाश्ता कर सकते हैं और यदि आप चाहें तो पूरा नाश्ता ला सकते हैं। लायन डेन में, अपने सभी पाठ्य-पुस्तकें लाएँ।

और उन शुक्रवारों में से प्रत्येक से पहले बुधवार को, आप मुझे उस समय तक की पाठ्यपुस्तकों में से दो या तीन प्रश्न प्रिंट करके देंगे ताकि मैं उन्हें पढ़ सकूँ। क्या आप में से किसी की आठ बजे की कक्षाएँ हैं? मेरी आठ बजे की कक्षा है, बस आठ बजे की कक्षा। इसलिए, आप में से बाकी लोगों की आठ बजे की कक्षाएँ नहीं हैं।

तो, आप नाश्ता लेने के लिए सीधे अपने छात्रावास से जा सकते हैं और नाश्ता लायन्स डेन में ला सकते हैं। और फिर हम आपसे वहीं मिलेंगे। और यहीं हम अपना समय बिताते हैं।

मुझे यह इसलिए पसंद है क्योंकि यह हमें व्याख्यान देने से दूर ले जाता है। इसलिए, यह हमें कक्षा की औपचारिकता से दूर ले जाता है। और मुझे यह इसलिए भी पसंद है क्योंकि यह सीखने का एक अलग तरीका है।

यह आपको पाठ में शामिल करता है, पाठ पर चर्चा करने के लिए प्रेरित करता है, पाठ के बारे में प्रश्न पूछता है और पाठ के बारे में एक दूसरे के साथ चर्चा करता है। तो, कुछ शुक्रवार पहले, हम आपको इस बारे में अपडेट रखेंगे कि यह कब होगा। तो यह चर्चा समूह है।

ठीक है, कक्षा में उपस्थिति। गॉर्डन कॉलेज का मानना है कि मैंने इसे एक तरह की धार्मिक भाषा में इस्तेमाल करने का फैसला किया। इसलिए, मैंने कहा, गॉर्डन कॉलेज का मानना है, और मेरा भी मानना है, मेरा भी मानना है, और आप भी मानते हैं, मुझे पता है।

गॉर्डन कॉलेज का मानना है कि कॉलेज अवधि के दौरान सुरक्षित किए जाने वाले कई मूल्यों को केवल लिखित परीक्षाओं के माध्यम से पर्याप्त रूप से या सटीक रूप से मापा नहीं जा सकता है। उन मूल्यों में से वे मूल्य हैं जो कक्षा और चर्चा समूहों की गतिविधियों में भागीदारी के माध्यम से प्राप्त होते हैं। नतीजतन, कक्षाओं और चर्चा समूहों में नियमित उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी सीखने की प्रक्रिया के आवश्यक तत्व हैं।

विशेषाधिकार के साथ जिम्मेदारी भी आती है। इसलिए, रवैया, भागीदारी और भागीदारी। अत्यधिक अनुपस्थिति, चार से अधिक अनावश्यक अनुपस्थिति, छात्र के ग्रेड को प्रभावित कर सकती है।

चार से ज़्यादा अनुपस्थिति के लिए छात्र के अंतिम ग्रेड औसत से एक अंक काटा जाएगा। अगर छात्र किसी चर्चा समूह में शामिल नहीं होता है, तो उसे दो अनुपस्थिति के रूप में गिना जाएगा। ठीक है, और फिर स्कूल द्वारा प्रायोजित सभी गतिविधियाँ, आप यह जानते हैं, आप सभी तैयार हैं, आप जानते हैं, फील्ड ट्रिप, एथलेटिक इवेंट, कॉन्सर्ट, ड्रामा टूर, जिसके लिए आपको कोर्स के पहले दो हफ़्तों में प्रोफेसर से क्लास मिस करने की ज़रूरत हो सकती है।

ठीक है, कक्षा में उपस्थिति के बारे में बात करें तो मैं निएंडरथल हूँ। मैं वास्तव में मानता हूँ कि कॉलेज के छात्रों को कक्षा में जाना चाहिए।

अब, मुझे नहीं पता कि मुझे यह बात कहां से मिली। मुझे नहीं पता कि मैं ऐसा क्यों सोचूंगा। मुझे नहीं पता कि मैं इस पर क्यों यकीन करूंगा।

मैं क्यों सोचता हूँ कि कॉलेज के छात्रों को कक्षा में जाना चाहिए? लेकिन मुझे वास्तव में लगता है कि आपको कक्षा में जाना चाहिए। मुझे वास्तव में लगता है कि आपको अपनी सभी कक्षाओं में जाना चाहिए। और इसलिए, मुझे लगता है कि आपको इस कक्षा में आना चाहिए।

मैं; मैं शायद एकमात्र उच्च-डिवीजन प्रोफेसर हूँ जो वास्तव में उपस्थिति दर्ज करता है। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि उनमें से कुछ ऐसा नहीं करते हैं। इसलिए मैं वास्तव में, वास्तव में उपस्थिति दर्ज करता हूँ।

अब, इस क्लास में यह आसान है। हम आठ लोग हैं। तो इसमें लगभग दो सेकंड लगते हैं।

इससे मुझे आपके नाम भी पता चल जाते हैं। लेकिन, अगर आप किसी चर्चा समूह में शामिल नहीं होते हैं, तो उस समूह के लिए दो बार बिना कारण अनुपस्थित रहना पड़ता है। इसलिए, आपको उन चर्चा समूहों में ज़रूर आना चाहिए।

और, बेशक, अगर आपने अनुपस्थिति के लिए माफी मांगी है, तो यह ठीक है। तो, ठीक है। और आप कोर्स की सुविधा के बारे में जानते हैं, जो दस्तावेजित विकलांगता वाले छात्रों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है, और विकलांगता वाले छात्र को अकादमिक सहायता केंद्र के एक कर्मचारी से मिलना होगा और फिर संकाय अधिसूचना फॉर्म मुझे सौंपना होगा।

तो आप, आप इससे परिचित हैं। तो, ठीक है। अब, आइए यहाँ रूपरेखा के बारे में बात करते हैं।

मैं व्याख्यान का शीर्षक और संख्या तथा शीर्षक के अनुसार व्याख्यान देता हूँ। मेरे पास अभी भी कुछ परिचयात्मक बातें हैं जिनका मैंने शुक्रवार को उल्लेख किया था, लेकिन फिर हम शुक्रवार को व्याख्यान एक से शुरू कर सकेंगे। तो मैं इसे इस तरह से करता हूँ।

सभी दुनियाओं में सबसे अच्छी बात यह है कि 2 सितंबर के सप्ताह से शुरू होने वाले उन पाठों को, यदि आप व्याख्यान से पहले उन पाठों को कर सकते हैं, तो यह सभी दुनियाओं में सबसे अच्छी बात है। लेकिन सोमवार को कोई कक्षा नहीं है। यह मजदूर दिवस है।

तो, हम शुक्रवार को मिलेंगे। मैं कुछ और चर्चाएँ करूँगा और कुछ और तरह की परिचयात्मक बातें करूँगा, और फिर मैं शुक्रवार को पहला व्याख्यान देना शुरू करूँगा। सोमवार को मजदूर दिवस है, इसलिए सोमवार को कोई कक्षा नहीं है।

तो अगला सप्ताह एक त्वरित सप्ताह है, बस बुधवार और शुक्रवार। इसलिए, यदि आप उन चीजों को पढ़ सकते हैं, तो यह आपके लिए मददगार होगा। लेकिन जाहिर है, आपको इन चीजों को अंतिम, पहले घंटे की परीक्षा तक पढ़ने की ज़रूरत नहीं है।

इसके अलावा, ज़्यादातर हफ़्तों में मैं सुझाए गए पढ़ने के लिए किताबें देता हूँ। इसलिए यहाँ मैं कैथोलिक धर्म पर रिचर्ड मैकब्राइड की किताब का सुझाव दे रहा हूँ। यह आपके पढ़ने के लिए नहीं है।

ये सिर्फ़ सुझाव हैं। इन्हें भविष्य के लिए अपनी लाइब्रेरी में रखना है, या अपनी लाइब्रेरी में जोड़ना है और गर्मियों में पढ़ने या किसी और काम के लिए पढ़ना है। या ये आपके पेपर में आपकी मदद कर सकते हैं।

अगर आप 19वीं सदी में कैथोलिक धर्म पर कोई पेपर लिख रहे हैं, तो यह किताब मददगार हो सकती है। तो आप जो पढ़ रहे हैं और सुझाए गए पढ़ने के बीच अंतर है, जो कि नहीं है; आपको उन्हें पढ़ना ज़रूरी नहीं है। और यह बात सीधे तौर पर लागू होती है। बस यही है।

यदि आप अगले पृष्ठ 7 पर जाएँ, तो यह बात करता है, पहले घंटे की परीक्षा है, और फिर यह चलता रहता है। गुरुवार और शुक्रवार को क़ाड परीक्षा का समय होता है, इसलिए शुक्रवार को हमारी कक्षाएँ नहीं होती हैं। हाँ, जेसी? क्या वे रीडिंग, वे पहले की रीडिंग, स्क्रिप्टेड हो सकती हैं या नहीं? खैर, आप उन्हें पूरे सप्ताह पढ़ सकते हैं।

अगर आप उन्हें सोमवार तक पढ़ लेते हैं, तो यह आपकी पढ़ाई के मामले में आपकी मदद करेगा क्योंकि, आप जानते हैं, पढ़ना, पढ़ना। मेरा मतलब है, कॉलेज जीवन की यही प्रकृति है। इसलिए, इनमें से कुछ पाठ थोड़े कठिन हो सकते हैं, जैसे कि कैल्विन पर पाठ।

इसलिए, यदि आप पूरे सप्ताह उन्हें पढ़ना चाहते हैं, तो यह ठीक है। आपको जो करना है वह यह है कि आपको चर्चा समूहों की बैठक के समय तक उन पठनों को पूरा करना होगा, निश्चित रूप से। और मैं पाठ्यक्रम के साथ-साथ चर्चा समूहों के बारे में बात करूँगा।

तो, हाँ। लेकिन अगर आप आगे पढ़ सकते हैं, तो यह आपकी मदद करने वाला है। अगर आप पढ़ते हुए आगे बढ़ सकते हैं, तो यह मददगार होने वाला है।

ठीक है, और फिर यह आगे बढ़ता है। दूसरे घंटे की परीक्षा 28 तारीख को है। अब, यदि आप पृष्ठ आठ को देखते हैं और पृष्ठ आठ पर क्या हाइलाइट किया गया है, तो कृपया ध्यान दें कि यहाँ एक आउट-ऑफ-क्लास असाइनमेंट है जिसे मैं आपसे करने के लिए कह रहा हूँ।

चर्च, सेंटर फॉर फेथ एंड इंकवायरी द्वारा प्रायोजित सम्मेलन के दौरान भाग लेने के लिए दो व्याख्यान चुनें, जो 14 से 16 नवंबर तक है। सम्मेलन का शीर्षक है प्रोटेस्टेंटिज्म, प्रोटेस्टेंट रिफॉर्मेशन की 500वीं वर्षगांठ से पहले एक प्रतिबिंब, 1517 से 2017। जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

अब, यहाँ कुछ कारण हैं कि मैं ऐसा क्यों करता हूँ। तो, आपको दो आउट-ऑफ-क्लास असाइनमेंट और दो व्याख्यान मिलेंगे; प्रत्येक व्याख्यान डेढ़ घंटे का होगा। तो, यह तीन घंटे का होगा।

मैं ऐसा दो कारणों से करता हूँ। पहला, गॉर्डन हमें सम्मेलनों में जाने, सम्मेलनों में बोलने या पेपर पढ़ने की अनुमति देने में बहुत अच्छे हैं। और मैं इस बारे में बहुत सावधान रहने की कोशिश करता हूँ।

दरअसल, जब मैं पहली बार ऐसा करता हूँ, जब मैं पहली बार दूर होता हूँ, तो यह बहुत जल्दी हो जाता है। और मैं आपको इसके बारे में बता दूँगा। और जब मैं दूर होता हूँ, तो मेरे पास कोई अतिथि व्याख्याता या ऐसा कुछ नहीं होता।

इसलिए, हम कक्षाओं के लिए नहीं मिलते। इसलिए, मैंने ऐसा करने का पहला कारण यह है कि यह कुछ दिनों की कक्षाओं के लिए एक अच्छा तरीका है। लेकिन दूसरा कारण यह है कि मैं ऐसा इसलिए करता हूँ क्योंकि उस सम्मेलन में कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के जाने-माने वक्ता आने वाले हैं।

और मैं चाहूँगा कि आप उन वक्ताओं के संपर्क में आएँ। तो, इससे कक्षा का समय तो थोड़ा कम होता ही है, साथ ही आपको भी उनसे परिचित होने का मौका मिलता है। उनमें से एक हैं नोएल, जिनका जिक्र हम पहले ही कर चुके हैं कि वे अपनी पाठ्यपुस्तक पढ़ते हैं।

तो, यह आपको कुछ बेहतरीन व्याख्याताओं से भी रूबरू कराएगा। तो, यह दो तरह से काम पूरा करता है। तो, यह बहुत बढ़िया है कि यह सम्मेलन इस सेमेस्टर में हो रहा है।

और फिर थैंक्सगिविंग अवकाश होता है और फिर पाठ्यक्रम का समापन होता है। और फिर अंतिम परीक्षा निर्धारित होती है। और यहाँ डिट्रिच बोनहोफ़र हैं, जिनके बारे में हम पाठ्यक्रम में बात करेंगे।

ओह, आप जानते हैं कि मैं क्या ध्यान रख सकता हूँ, जब तक मैं डिट्रिच बोनहोफ़र के बारे में बात करता हूँ? बस एक मिनट के लिए पेज आठ पर देखें, है न? पेज आठ पर वापस जाएँ। दो दिन, सोमवार, 2 दिसंबर और बुधवार, 4 दिसंबर को, हम दिखा रहे हैं कि हम उन दो दिनों में व्याख्यान नहीं दे रहे हैं। हम यहाँ इस कक्षा में हैं।

लेकिन हमने डिट्रिच बोनहोफ़र पर एक शानदार वीडियो दिखाया जिसका नाम है डिट्रिच बोनहोफ़र मेमोरीज़ एंड पर्सपेक्टिव्स। और ऐसा होता है। यह आमतौर पर उस समय होता है जब हम बोनहोफ़र पर व्याख्यान दे रहे होते हैं। हो सकता है कि मैं पहले ही उन पर व्याख्यान दे चुका हूँ, अगर मैं अपने व्याख्यानों से आगे हूँ, लेकिन यह ठीक है।

लेकिन, डिट्रिच बोनहोफ़र पर ये दो वीडियो अद्भुत हैं। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि हम पाठ्यक्रम में बोनहोफ़र के बारे में काफी कुछ सीखेंगे। ठीक है, अगर आप पृष्ठ 10 को देखें, तो लोग हमेशा यही सवाल पूछते हैं, आप जानते हैं, परीक्षा में क्या है? इसलिए, मैंने प्रत्येक परीक्षा के लिए जो किया है, वह यह है कि मैंने आपको बताया है कि परीक्षा में क्या है, परीक्षा में क्या सामग्री शामिल है, व्याख्यान की शर्तें और पढ़ने की शर्तें।

और, ओह, मेरा मतलब यह बताना था कि आपके पास पहले से एक लेख है जिसे आपको पढ़ना है, और वह वैसे भी असाइनमेंट में है। तो, मैं वह लेख आपको दे दूँगा ताकि आप उसे पढ़ सकें। यह एक बढ़िया लेख है।

यह एक लेख है जिसका शीर्षक है सुधार की बौद्धिक अपील। इसलिए, जब इसे पढ़ने का समय आएगा, तो यह आपके पास अभी होगा। इसलिए, आप इसे पढ़ सकेंगे और इसे प्राप्त कर सकेंगे।

और हम अपने चर्चा समूहों में से एक में इस पर चर्चा करेंगे। दूसरे घंटे की परीक्षा में क्या है या यह किस तरह की परीक्षा है, इस मामले में वही बात है। तीसरे घंटे की परीक्षा, या अंतिम परीक्षा, तीसरे घंटे की परीक्षा के लिए कौन सी सामग्री शामिल की जाती है।

ठीक है, आपको अपनी स्टडी शीट मिल गई है। और फिर, अगर आप यहाँ की रूपरेखा पर नज़र डालें, तो मैं अपना समय देख रहा हूँ क्योंकि टेड और मुझे आज यहाँ से जल्दी निकलना है और दीक्षांत समारोह के लिए तैयार होना है। इसलिए, मुझे आपको कुछ मिनटों में यहाँ से जाने देना है ताकि हम उसके लिए तैयार हो सकें।

लेकिन अगर आप सिर्फ पेज 12 पर देखें, तो मैं व्याख्यान संख्या और शीर्षक तथा रूपरेखा के अनुसार व्याख्यान देता हूँ। इसलिए, आपके जीवन को थोड़ा आसान बनाने के लिए, यह वह रूपरेखा है जिसका मैं पहले दिन से ही व्याख्यानों के लिए उपयोग करूँगा। इसलिए, अगर आप अपने साथ कक्षा में यह रूपरेखा, इस रूपरेखा के साथ पाठ्यक्रम लेकर आए, तो मुझे लगता है कि यह आपके लिए वास्तव में मददगार हो सकती है क्योंकि यह वह रूपरेखा है जिसका मैं उपयोग करता हूँ, उनमें से कुछ पेज 13, व्याख्यान 6 की तरह हैं। उनमें से कुछ दूसरों की तुलना में थोड़े अधिक विकसित हैं।

लेकिन मूल रूप से, यह सिर्फ एक बुनियादी रूपरेखा है कि हम कक्षा में क्या कर रहे हैं। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि यह आपको पाठ्यक्रम पूरा करने में मदद करेगा। ठीक है, सवाल।

क्या आपके पास इस कोर्स के बारे में, हम क्या कर रहे हैं, या हम ऐसा क्यों कर रहे हैं, इस बारे में कोई सवाल है? यह वर्तमान में सुधार है। यह चर्च के इतिहास में एक रोमांचक समय है। यह धर्मशास्त्र के विकास में एक रोमांचक समय है।

यह भी है कि धर्मशास्त्र का विकास आपके व्यक्तिगत जीवन से बहुत जुड़ा हुआ है। और यह पाठ्यक्रम व्याख्यानों का एक मिश्रण है, लेकिन फिर प्रत्येक परीक्षा से पहले दो शुक्रवार को, हम शेर की मांद में होंगे और हम एक साथ नाश्ता करेंगे और हम सामग्री और अन्य चीजों के बारे में बात करेंगे। तो, यह व्याख्यानों और चर्चाओं का एक मिश्रण है।

क्या आपके पास कोई सवाल है? हम शुक्रवार को व्याख्यान देना शुरू करेंगे। मेरे पास धर्मशास्त्र के अध्ययन के बारे में कुछ परिचयात्मक टिप्पणियाँ हैं, और फिर हम पहले व्याख्यान में जा सकेंगे। और फिर सोमवार को कोई कक्षा नहीं होगी।

और फिर अगले सप्ताह, हम शुक्रवार को नहीं मिलेंगे, बेशक, क्योंकि हम व्याख्यान जारी रखने के लिए बुधवार और शुक्रवार को मिलेंगे। तो, आपके पास कोई सवाल है? ठीक है, बढ़िया। अच्छा, आपका दिन शुभ हो, और हम आपसे शुक्रवार को मिलेंगे।

यह डॉ. रोजर ग्रीन द्वारा चर्च इतिहास के पाठ्यक्रम 'सुधार से वर्तमान तक' में दिया गया व्याख्यान है। यह व्याख्यान 1 है, पाठ्यक्रम परिचय और पाठ्यक्रम।